Raj Express (Indore), 6th November 2022, Page – 06

ईमानदारी और पारदर्शिता है दो प्रमुख मानदंड

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर की ओर से आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन हुआ। इस वर्ष का विषय भ्रष्टाचार मुक्त भारत - विकसित भारत है।पहले दिन शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इसके अलावा, आईआईटी इंदौर समुदाय के बीच सतर्कता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सप्ताह के दौरान निबंध लेखन, पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। अंतिम दिन समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंदौर के अपर पुलिस उपायुक्त जयवीर सिंह भदौरिया थे।

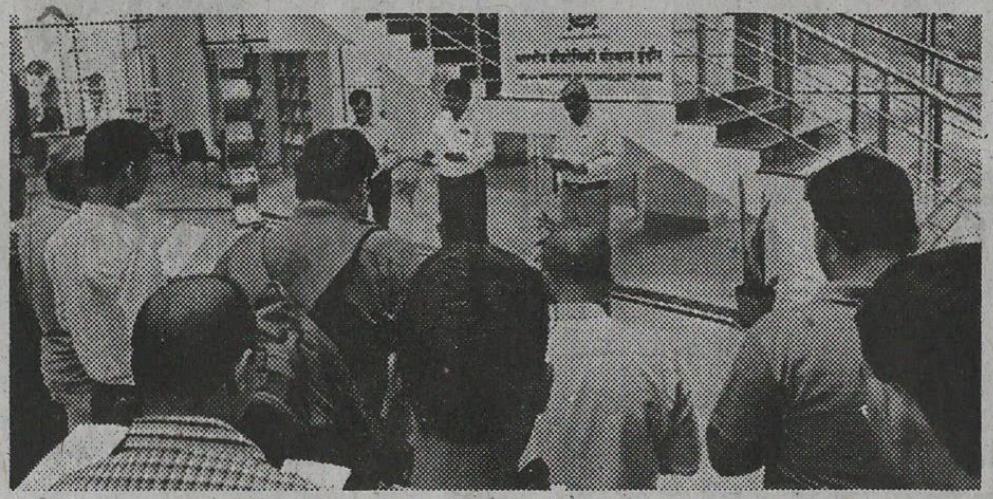

संस्थान के मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रो. सुमन मुखोपाध्याय ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और सभा को संबोधित किया। उन्होंने दोहराया कि ईमानदारी और पारदर्शिता दो प्रमुख मानदंड हैं जिनका पालन हम सभी को करना है। उन्होंने उल्लेख किया कि आईआईटी प्रणाली राष्ट्र निर्माण में योगदान करते हुए पारदर्शिता और नैतिक मानकों के लिए जानी जाती है। एक अकादमिक संस्थान होने के नाते हमें अकादमिक नैतिकता के बारे में भी सतर्क रहना चाहिए।

प्रौद्योगिकी के परिवर्तन का भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने पर महत्वपूर्ण प्रभाव: अपर पुलिस उपायुक्त भदौरिया ने कहा कि प्रौद्योगिकी के परिवर्तन का भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है और उन्होंने पारदर्शिता के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न उपायों की जानकारी दी।

उन्होंने आईआईटी इंदौर से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए तकनीकी नवाचारों के उचित कार्यान्वयन में सरकार की मदद करने का भी आग्रह किया। उन्होंने सतर्कता जागरूकता सप्ताह और संस्थान राजभाषा पुरस्कार-2022 के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए। समारोह के समापन पर, सिबा प्रसाद होता, कुलसचिव ने संस्थान की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।